DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt. of History
B. A. Part — I
Paper — II (Hons)
Shambhu.bhibu@gmail.com
8294342141

1688 की गौरवपूर्ण क्रान्ति - ~~IV~~

जेम्स द्वितीय का हिंसात्मक आतंक :→ जेम्स द्वितीय की शासन नीति पूर्णरूप से हिंसात्मक थी। इसलिए उसका शासन काल अत्याचार का काल कहलाता है। गद्दी पर बैठने के साथ ही उसने अपने विरोधियों पर कहर की बिजली गिरानी शुरू कर दी थी। उसके एक एक कार्य से जनता आतंकीत हो चुकी थी अतः अब उसके धैर्य का बाँध टूट गया। लोग क्रान्तिकारी हो गये क्योंकि क्रान्ति के सिवा जनता के पास और कोई रास्ता ही नहीं बचा।

जेम्स के द्वारा एक्ट का उल्लंघन :- चार्ल्स द्वितीय की नीति (धार्मिक) को नियंत्रित करने के लिए ही Test Act पास किया गया था। चार्ल्स द्वितीय ने तो विवश होकर इसको मान लिया था लेकिन जेम्स द्वितीय ने इसे स्वीकार नहीं किया। वह पक्का कैथोलिक था। वह सभी सरकारी पदों पर कैथोलिक को ही बहाल करना चाहता था और बहाल भी करने लगा। लेकिन वह एक्ट के अनुसार ऐसा नहीं कर सकता था। जेम्स द्वितीय ने टेस्ट एक्ट का उल्लंघन कर दिया। तब पार्लियामेंट उस पर बिगड़ गई और विरोध करने लगी। जेम्स द्वितीय हमेशा राजा के राजा अधिकार की ही बात करता रहा।